Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. खारे जल की लवणता को सीमांकित करने की उच्च सीमा कितनी मानी गई है?

(अ) 24.7% (ब) 20.4%
(स) 15.8% (द) 22.3%

2. समुद्री जल में घुले हुए नमक में निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व शामिल नहीं है?

(अ) क्लोरीन (ब) सोडियम
(स) आयोडीन (द) सल्फेट

3. जल मंडल में गैस, तरल व ठोस रूप में जल का परिसंचरण क्या कहलाता हैं?

(अ) उपरोक्त सभी (ब) समुद्री चक्र
(स) जलीय चक्र (द) महासागरीय जल

4. समुद्र में स्थित वह स्पष्ट क्षेत्र जहाँ लवणता गहराई के साथ तीव्रता से बढती हैं क्या कहलाता हैं ?

(अ) उपरोक्त में से कोई नहीं (ब) थर्मोक्लाईन
(स) ताप प्रवणता (द) हैलोक्लाईन

5. हिंद महासागर की औसत लवणता है-

(अ) 25% (ब) 32%
(स) 40% (द) 35%

6. गभीर सागरीय मैदान की गहराई लगभग होती है-

(अ) 2000 से 3000 मीटर के बीच (ब) 3000 से 6000 मीटर के बीच
(स) 3000 से 4000 मीटर के बीच (द) 1000 से 2000 मीटर के बीच

7. महाद्वीपीय ढाल की औसत गहराई निम्नलिखित के बीच होती है।

(अ) 2000-20000 मीटर (ब) 20-200 मीटर
(स) 200-2000 मीटर (द) 2-20 मीटर

8. निम्नलिखित में से कौन-सी लघु उच्चावच आकृति महासागरों में नहीं पाई जाती है?

(अ) महासागरीय गभीर (ब) समुद्री टीला
(स) प्रवाल द्वीप (द) निमग्न द्वीप

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. निम्न में से उच्चतम लवणता वाला महासागर हैं -

(अ) आकर्टिक महासागर (ब) अटलांटिक महासागर

(स) हिंद महासागर (द) प्रशांत महासागर

10. सबसे कम गर्त किस महासागर में स्थित हैं?

(अ) प्रशांत महासागर (ब) अटलांटिक महासागर

(स) अंटार्कटिक महासागर (द) हिंद महासागर

रिक्त स्थान

11. प्रशांत महासागर में _____ महासागरीय गर्त खोजे गए हैं।

12. महासागर में थर्मोक्लाइन की मोटाई 500 से _____ मीटर तक होती है।

सत्य/असत्य

13. टर्की की वॉन झील की लवणता 330‰ है ।

14. मृत सागर की लवणता 200‰ है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. महासागरीय गर्त क्या है?

16. महासागरीय अधस्तल में प्रमुख भागों के अतिरिक्त उच्चावच संबंधी और कौन-से लक्षण पाए जाते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. महासागरीय अधस्तल के उच्चावच के बारे में व्याख्या करें।

18. गभीर सागरीय मैदान क्या है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. 'महासागरों की सतह के जल का औसत तापमान विषुवत वृत्त से ध्रुवों की ओर क्रमिक ढंग से कम होता जाता है' व्याख्या करें।

20. महासागरों के तापमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।

HOTS

21. जलीय चक्र के विभिन्न तत्व किस प्रकार अंतर-संबंधित हैं?

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. **(अ)**
खारे जल की लवणता को सीमांकित करने की उच्च सीमा 24.7% मानी गई है।

2. **(स)** आयोडीन

3. **(स)**
जल मंडल में गैस, तरल व ठोस रूप में जल का परिसंचरण जलीय चक्र कहलाता हैं।

4. **(द)**
समुद्र में स्थित वह स्पष्ट क्षेत्र जहाँ लवणता गहराई के साथ तीव्रता से बढती हैं हैलोक्काईन कहलाता हैं।

5. **(द)**
हिंद महासागर की औसत लवणता 35% है। औसत समुद्री लवणता 35 प्रति हजार है। इसका अर्थ है एक किलोग्राम जल में 35 ग्राम लवण की मात्रा का होना ।

6. **(ब)**
गभीर सागरीय मैदान महासागरीय बेसिनों के मंद ढाल वाले क्षेत्र होते हैं। ये विश्व के सबसे चिकने तथा सबसे सपाट भाग हैं। इनकी गहराई 3,000 से 6,000 मीटर के बीच होती है।

7. **(स)** 200-2000 मीटर

8. **(अ)** महासागरीय गभीर

9. **(ब)**
अटलांटिक महासागर 36%, प्रशांत महासागर 35 से 31%, हिंद महासागर 35%, आकर्टिक महासागर 20 से 35%

10. **(द)**
इस महासागर में गर्तों का अभाव है। केवल जावा के दक्षिण में सुंडा गर्त तथा डायमेंटिना गर्त पाया जाता है।

11. 32

12. 1000

13. सत्य

14. असत्य

15. महासागरीय गर्त : समुद्र के नितल में यत्र-तत्र खाई की भाँति गहरे कई खड्डु मिलते हैं, जिन्हें महासागरीय गर्त कहा जाता है। ये गहरे गर्त घोर अन्धकार और अत्यन्त ठण्डे जल से पूर्ण रहते हैं। इनके किनारे प्राय: तेज ढालू होते हैं, परन्तु क्षेत्रफल में ये बहुत कम हैं। जिन समुद्र तटों के भागों में प्राय: भूकम्प के धक्के आते हैं अथवा ज्वालामुखी का प्रकोप रहता है वहाँ ये बहुतायत से मिलते हैं। प्रशान्त महासागर के तटीय क्षेत्रों में ऐसे कई महासागरीय गर्त हैं।

16. महासागरीय अधस्तल में चार प्रमुख भागों के अतिरिक्त उच्चावच के निम्न लक्षण पाए जाते हैं;
1. मध्य महासागरीय कटक,
2. समुद्री टीला,
3. निमग्न द्वीप,
4. सपाट जलमग्न कैनियन,
5. प्रवाल द्वीप आदि

17. महासागरीय अधस्तल का प्रमुख भाग समुद्र तल के नीचे 3 से 6 कि॰मी॰ के बीचं पाया जाता है। महासागरों के जल के नीचे की भूमि, अर्थात् महासागरीय अधस्तल, भूमि पर पाए जाने वाले लक्षणों की अपेक्षा जटिल तथा विभिन्न प्रकार के लक्षणों को प्रदर्शित करती है। महासागरों की तली में, विश्व की सबसे बड़ी पर्वत श्रृंखलाएँ, सबसे गहरे गर्त एवं सबसे बड़े मैदान होने के कारण ये ऊबड़-खाबड़ होते हैं। महाद्वीपों पर पाए जाने वाले लक्षणों की तरह ये लक्षण भी विर्वतनिक, ज्वालामुखीय एवं निक्षेपण की क्रियाओं से बनते है–

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

महासागरीय अधस्तल का विभाजन: महासागरीय अधस्तल को चार प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है-

(i) महाद्वीपीय शेल्फ़ (ii) महाद्वीपीय ढाल

(iii) गहरे समुद्री मैदान (iv) महासागरीय गभीर।

इस विभाजन के अतिरिक्त महासागरीय तली पर कुछ बड़े तथा छोटे उच्चावच संबंधी लक्षण पाए जाते हैं, जैसे- कटकें, पहाड़ियाँ, समुद्री टीला, निमग्न द्वीप, खाइयाँ व खड्ड आदि।

18. महाद्वीपीय मग्नढाल के पश्चात् गहरे सागरीय तल का आरम्भ होता है। समुद्र के नितल का अधिकांश भाग इसी से घिरा है। अगाध तल प्रायः ऊँचे-नीचे और ऊबड़-खाबड़ होते हैं। इसी से इनकी गहराई भिन्न-भिन्न स्थानों पर भिन्न-भिन्न पायी जाती है, फिर भी इनका ढाल बहुत क्रमिक होता है अतः इनको धरातल के मैदानों के अनुरूप माना जा सकता है। यह 2,500 मीटर से 6,000 मीटर तक गहरे पाए जाते हैं। समस्त महासागरीय क्षेत्रफल के लगभग 2.5% भाग पर इनका विस्तार पाया जाता है। इस प्रकार के गम्भीर सागरीय मैदान में पंक कीचड़, आदि के निक्षेप पाए जाते हैं। यहाँ ज्वालामुखी से सम्बन्धित लाल मिट्टी भी पायी जाती है।

19. महासागरों की सतह के जल का औसत तापमान विषुवत वृत्त से ध्रुवों की ओर क्रमिक ढंग से कम होता जाता है' इसके निम्नलिखित कारण है :-

- महासागरों की सतह के जल का औसत तापमान लगभग 27 डिग्री सेंटीग्रेड होता है और यह विषुवत वृत्त से ध्रुवों की ओर क्रमिक ढंग से कम होता जाता है। बढ़ते हुए अक्षांशों के साथ तापमान के घटने की दर सामान्यतः प्रति अक्षांश 0.5 डिग्री सेंटीग्रेड होती है। औसत तापमान 20 डिग्री अक्षांश पर लगभग 22 डिग्री सेंटीग्रेड, 40 डिग्री अक्षांश पर 14 डिग्री सेंटीग्रेड तथा ध्रुवों के नजदीक 0° डिग्री सेंटीग्रेड होता है।
- उत्तरी गोलार्ध के महासागरों का तापमान दक्षिणी गोलार्ध की अपेक्षा अधिक होता है। उच्चतम तापमान विषुवत वृत्त पर नहीं बल्कि इससे कुछ उत्तर की तरफ दर्ज किया जाता है। उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्ध का औसत वार्षिक तापमान क्रमशः 19 डिग्री सेंटीग्रेड तथा 16 डिग्री सेंटीग्रेड के आस-पास होता है। यह भिन्नता उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्थों में स्थल एवं जल के असमान वितरण के कारण होती है।

20. महासागरों के तापमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारकः

1. **अक्षांश-** ध्रुवों की ओर प्रवेशी सौर विकिरण की मात्रा घटने की वजह से महासागरों के सतही जल का तापमान विषुवतवृत्त से ध्रुवीं की तरफ कम होता चला जाता है।
2. **महासागरीय धाराएँ-** गर्म महासागरीय धाराएँ ठंडे क्षेत्रों में तापमान को बढ़ा देती हैं यधपि ठंडी धाराएँ गर्म महासागरीय क्षेत्रों में तापमान को घटा देती है। गल्फ स्ट्रीम उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट और यूरोप के पश्चिमी तट के तापमान को बढ़ा देती है जबकि लेब्राडोर धारा उत्तरी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी तट के नजदीक के तापमान को कम कर देती हैं।
3. **सनातन पवनें-** स्थल से महासागरों की ओर बहने वाली पवनें महासागरों के सतही गर्म जल को तट से दूर ले जातीं देती है, इसके कारण नीचे का ठडा जल ऊपर की तरफ आ जाता है। कारण तापमान में देशांतरीय अंतर आता है। इसके विपरीत, अभितटीय पवनें गर्म जल की तट पर जमा कर देती है इसके कारण इससे तापमान बढ़ जाता है।
4. **स्थल एवं जल का असमान वितरण-** उत्तरी गोलार्ध के महासागर दक्षिणी गोलार्ध के महासागरों की अपेक्षा स्थल के बहुत बड़े भाग से जुड़े होने के कारण ज़्यादा मात्रा में ऊष्मा प्राप्त करते हैं।

21. जलीय चक्र के अंतर्गत समुद्र का जल वाष्प बनकर बादल के रूप में परिणत हो जाता है तथा विभिन्न अवरोधों से टकराकर वर्षा कराता है फिर यह वर्षा का पानी नदी तथा नालों के द्वारा समुद्र में चला जाता है और यह पुनः समुद्र का जल जलवाष्प बनकर वर्षा कराता है। इस प्रकार यह क्रियाएँ एक चक्र के रूप में चलती रहती है, इसे जलीय चक्र कहा जाता है।

जलीय चक्र में एक तत्व दूसरे तत्व से अंतर संबंधित हैं। जल एक चक्र के रूप में महासागर से धरातल पर और धरातल से महासागर तक पहुँचता है। जलीय चक्र के तत्व वायु, जल, पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं। पृथ्वी पर जल का वितरण असमान है। जलीय चक्र जल के वितरण की भिन्नता को कम करता है। क्योंकि जलवाष्प वर्षा के रूप में परिणत होकर विभिन्न क्षेत्रों में जल वितरित करता है। इस तरह से चल चक्र महासागरों, वायुमंडल, भूपृष्ठ, अधःस्तल और जीवों के बीच अंतर संबंध स्थापित करता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES